

वत्सलाहाड, 20 फरवरी 2026। गुजरात के वत्सलाहाड जिले के कपराडा तहसील स्थित कुम्भाट के वाणी-धरमपुर मार्ग पर शुक्रवार को तेज गति से चल रहा टक्कर और ईको कार के बीच घटने में 07 लोगों को मौके पर मौत हो गई। मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसे में जान बचाने वाले सभी लोग कपराडा के आंबा जंगल में गांव के एक ही परिवार के सदस्य थे। वे कपराडा से नानापोढ़ी और अजमेर जा रहे थे, तभी कुम्भाट के पास यह हादसा हुआ। टक्कर इतनी जोरदार हुई कि एक ही परिवार के पांच सदस्य की मौत हो गई।

अन्य सदस्य भी कि ईको कार का पिछला हिस्सा पूरी तरह दब गया और उनमें बैठे लोग भी तरह फंस गए। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को किसी तरह बाहर निकाला। मृतकों में 5 पुरुष, 01 महिला और 01 बच्ची शामिल हैं। घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत को खबर से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई है। अभी उनके नाम नहीं बता पाए सके हैं।

पार नगरपाला कर रहे काँग्रेसताका
एतियातान हिरासत में लेकर शिखर
मम्मलेन के आयोजन से दूर किया।

**देश की अस्थिरता से कोई समझौता
नहीं: भारतीय युवा कांग्रेस**

वहीं, सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में
भारतीय युवा कांग्रेस ने लिखा...जब विदेशी
नीति में झुकाव, काँग्रेस दबाव और चूषण
हावी हो...तो सफ देव है, पीएम मोदी

काँग्रेसमाइज्ड है। इसी सच्चाई को बेकाब
करने भारतीय युवा कांग्रेस के जाबाज
कार्यकर्ता एआई समित पहुँचे और
'काँग्रेसमाइज्ड पीएम' के खिलाफ विरोध
प्रदर्शन किया। देश की अस्थिरता से कोई
समझौता नहीं। इंकलाब जिंदाबाद

भाजपा ने बताया देश विरोधी कृत्य

भारतीय युवा कांग्रेस की प्रदर्शन पर भाजपा
ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता

प्रदीप भट्टी ने कहा- यह एक देश विरोधी
कृत्य है और देश की जनता इनको जवाब
देगी। इस प्रदर्शन पर भाजपा के राष्ट्रीय
प्रवक्ता शहनदाय पूनावाला ने कहा... 'काँग्रेस
एक बार फिर साबित कर दिया है कि
उन्के लिए एआई महत्वाकांक्षी भारत',
'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' या 'आकांक्षी भारत'
नहीं। उनके लिए एआई भारत-विरोधी है। यह
काँग्रेस काँग्रेस नहीं, बल्कि एएससी है, यानी
राष्ट्र-विरोधी काँग्रेस। एआई शिखर

नई दिल्ली, 20 फरवरी 2026। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शुक्रवार को कहा कि गौतम गोगोई और उनके परिवार को 'पाकिस्तान लिंक' के आरोपों में घसीटना गलत राजनीति है। प्रियंका ने कहा कि असम के सीएम चुनाव से पहले डर गए हैं, इसलिए इस तरह के आरोप लगा रहे हैं। उन्हें निजी आरोपों की बजाय राज्य के विकास पर बात करनी चाहिए। प्रियंका बोली- गौतम जी और उनके परिवार को जिस तरह निशाना बनाया जा रहा है, उससे साफ है कि यह गलत राजनीति है। असम की जनता जानती है कि दूसरी तरफ के लोग उससे घबराए हुए हैं। वह सही रास्ते पर चल रहे हैं। यह उनके लिए सम्मान की बात है।

अभरते क्षेत्रों में काम कर रहे भारतीय स्टार्ट अप्स और तकनीकी परियोजनाओं और नवाचारों की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां भारत मंडप में चल रहे इंडिया एआई इमैप्ट सॉफ्ट के दौरान स्टार्टअप के सीईओ के साथ गहन चर्चा की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न तकनीकी उद्योगों, अनुसंधान और उत्पाद विकास से जुड़े पहलुओं पर विस्तार से बातचीत की। स्टार्टअप ने अपन एआई आधारित समाधान और उनके सामाजिक तथा आर्थिक प्रभाव के बारे में जानकारी दी। बैठक में इस बात पर विशेष चर्चा हुई कि किस प्रकार कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रशीन लर्निंग और गहन तकनीक

नह था। पाकिस्तान भी इसका हिस्सा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और भारत के अलावा पेक्स सिलिका में ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, इराक, जापान, कतर, साउथ कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं। इस समझौते के तहत यह वय हुआ है कि संबंधित देश सप्लाई में कमीज कर देंगे और एक अच्छा ग्लोबल ट्रेड एंजलिसिस्टम तैयार किया जाएगा। एआई समिट के आखिरी दिन इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। पांच दिन की इस समिट में दुनिया भर के टेक लीडर्स पहुंचे। इसके अलावा एआई सेक्टर में काम करने वाले करीब 600 स्टार्टअप भी इसका हिस्सा बने हैं। इस समझौते की जानकारी देते हुए आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि दुनिया का भारत पर इसका है दबाव पास एक बड़ा टैलेंट पूल है। इसके साथ ही हम

- न्यायालय कार्यक्रम में शुरुआत हुआ। आज राज्य में हर दिन 14 किलोमीटर सड़क बन रही है, जो देश में सबसे ज्यादा है। शाह दो दिनों के लिए असम दौरे पर हैं। उन्होंने कछहर के नाथनपुर गांव से 6,900 करोड़ रुपये की 'वाइब्रेट विलेजेंज प्रोग्राम' के दूसरे चरण की शुरुआत की। इसके तहत देशभर के 15 राज्यों और 2 तंदूरदार प्रदेशों को कवर करेगा।
- **अमित शाह के माथण की 5 बड़ी बातें...**
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकता सीमावर्ती गांवों का विकास है। वाइब्रेट विलेजेंज प्रोग्राम उसी दिशा में उठया गया कदम है।
- योजना के दूसरे चरण में 6,900 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 15 राज्यों और 2 केंद्रशासित प्रदेशों के 1,954 गांव इसमें शामिल हैं।
- वाइब्रेट विलेजेंज प्रोग्राम के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश से सटे 334 ब्लॉकों का समग्र विकास किया जाएगा।
- योजना का उद्देश्य सीमावर्ती इलाकों से पलायन रोकना और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं से होने वाली चुसपैठ पर अंकुश लगाना है।
- पिछले 10 साल में भाजपा ने असम के विकास को नई दिशा दी। अगले पांच साल में हम असम को बाढ़मुक्त राज्य बनाएंगे। असम पिछले 10 साल में स्वास्थ सुविधाओं का हब बना है।

भारतीय युवा कांग्रेस के इस प्रश्न पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस को 'भारत विरोधी पार्टी' बताया। उन्होंने अलगो लगाने के राहुल गांधी के झंडा पर कार्यकर्ताओं ने आपत्तिकांशों नारे लगाए। भंडारी ने कहा कि ऐसा काम वही पार्टी कर सकती है, जिसकी नीयत और नीति देशविरोधी है। उन्होंने राहुल गांधी और कांग्रेस से देश से माफ़ी मांगने की मांग की। यह प्रश्न भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के विरोध में किया गया था। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपनी शर्त उतारकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने 'प्रधानमंत्री समझौतागस्त है' जैसे नारे लगाए। यह प्रदर्शन भारत मंडल के विभिन्न मंडलों में हुआ। सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई कर प्रदर्शनकारियों को जगह से दूर हटाया।

सम्मेलन की दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है। राष्ट्रपति मैकॉन से लेकर संयुक्त राष्ट्र महासचिव, शीर्ष तकनीकी कंपनियों के मालिक, सैन्य ऑल्टिमेटो से लेकर सुंदर प्लासिंक तक, सभी इसकी सहाजना कर रहे हैं। यहां तक कि शशि थरु ने भी एआइआई शिखर सम्मेलन को उत्कृष्ट बताया। लेकिन राहुल गांधी के इशारे पर काँग्रेस पार्टी विरोध प्रदर्शन कर रही है; यह चरित्रहीन, बुद्धिहीन और भावनाहीन विरोध प्रदर्शन है।

राहुल से पूछ कि क्या आपको सफाई देनी है? इस पर राहुल ने कहा-हाँ। राहुल करीब 20 मिनट तक कोर्ट में रहे। मामलों की अगली सुनवाई 9 मार्च को होगी। कोर्ट से निकलने के बाद राहुल रामचेत मोची की दुकान पहुंचे और उनके परिवार से मुलाकात की। राहुल ने मोची की पोती श्रद्धा को गोद में लिया। उसके पैर में चोट देखकर उन्होंने पूछ कि क्या हुआ। परिवार ने बताया कि चोट ठीक नहीं हो रही है। इस पर राहुल ने यूपी काँग्रेस अध्यक्ष अनवर मोची बच्चों के इलाज की बात कही। रामचेत मोची की तीन महीने पहले केम्पर से मौत हो गई थी। डेढ़ साल पहले राहुल गांधी ने उनकी दुकान पर बैकलूर जूते सिले थे। बाद में उन्होंने रामचेत को सिलाई मशीन भी भेजी थी। शुक्रवार सुबह राहुल दिल्ली से लगनऊ एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से

पासमें से चारों किलोमीटर लंबाई में बनाई जागी।

दीवार निर्माण का स्वरूप और तकनीकी विशेषताएँ :

सुरक्षा दीवार को आयतनाकार रूप में बनाने के लिए अतिरिक्त जमीन का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके तहत कारतकारों और भूस्वामियों से बातचीत जारी है। दीवार की ऊँचाई

संरक्षित युक्त और अत्याधुनिक सुरक्षा तकनीकें :

यह सुरक्षा दीवार केवल साधारण दीवार नहीं होगी। इसे संरक्षित और हार्डटेक उपकरणों से लैस किया जा रहा है। इसका निर्माण भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के उपक्रम इंजीनियरिंग इंडिया लिमिटेड की देखरेख में किया जा रहा है।

कुसमी कांड : अवैध बाँक्साइड खनन... प्रशासनिक कार्रवाई,मौत और 'सिस्टम' पर सवाल...

ट्रक जब्ती से लेकर एफआईआर, पुलिस भूमिका और पांच लाख की कथित मांग तक-जांच के घेरे में पूरा घटनाक्रम



-न्यूज डेस्क-

अंबिकापुर/बलरामपुर-कुसमी, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सीमावर्ती कुसमी-हंसपुर क्षेत्र में कथित अवैध बाँक्साइड खनन को लेकर शुरू हुआ विवाद अब बहु-आयामी कांड का रूप ले चुका है, प्रकाशित खबरों,स्थानीय दावों और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच यह मामला केवल खनन तक सीमित नहीं रहा,बल्कि पुलिस, खनिज विभाग, राजस्व अमला और निजी व्यक्तियों की भूमिकाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े कर रहा है। एक ग्रामीण की मौत,एसडीएम का निलंबन,ट्रक जब्ती और एफआईआर में विसंगतियों के आरोपों ने पूरे प्रकरण को संवेदनशील बना दिया है। (यह रिपोर्ट प्रकाशित समाचारों,ज्ञापनों और उपलब्ध सूचनाओं के समेकन पर आधारित है, आरोपों की सत्यता संबंधित जांच एजेंसियों द्वारा निर्धारित की जाएगी।)

नवटोली पहाड़ी पर खनन के संकेत, सीमा की अखिलता का लाभ?

ग्राउंड रिपोर्टों में नवटोली पहाड़ी पर ताजा खुदाई के निशान,लाल-भूरे पथरों के ढेर और ट्रकों की आवाजों के संकेत बताए गए हैं,क्षेत्र की

कार्रवाई,विवाद और मौत: घटनाक्रम

रिपोर्टों के अनुसार,अवैध खनन की जांच के दौरान राजस्व अमले की मौजूदगी में तनाव बढ़ा और मारपीट की घटना हुई,जिसमें एक ग्रामीण (श्रीराम लकड़ा) की मौत की बात सामने आई,इसके बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया और प्रशासनिक कार्रवाई की मांग तेज हुई,राज्य सरकार ने मामले की गंभीरता देखते हुए संबंधित एसडीएम को निलंबित कर दिया। साथ ही,कथित रूप से पांच लाख रुपये की मांग के आरोप की भी जांच की मांग उठी है। आरोपों की सत्यता जांच के अधीन है।

ट्रक जब्ती और एफआईआर का सवाल

प्रकाशित खबरों में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा कि जिस ट्रक को कथित रूप से जब्त किया गया, उसका एफआईआर में स्पष्ट उल्लेख नहीं है, जबकि वह कुसमी थाने में खड़ा बताया गया, मुख्य प्रश्न: जब्त ट्रक का स्वामित्व किसका है? उसके खिलाफ क्या कानूनी कार्रवाई हुई? क्या खनिज अधिनियम के तहत पृथक प्रकरण दर्ज हुआ? यदि ट्रक अवैध खनन से जुड़ा था, तो संबंधित पक्षों पर क्या दंडात्मक कार्रवाई हुई? इन सवालों के जवाब आधिकारिक जांच से ही स्पष्ट होंगे।

भौगोलिक स्थिति-एक ओर छत्तीसगढ़ और दूसरी ओर झारखंड-को देखते हुए यह आरोप लगाया गया कि सीमा की जटिलता का लाभ उठाकर कथित रूप से अवैध खनन संचालित हुआ, स्थानीय लोगों का दावा है कि लंबे समय से गतिविधियाँ चल रही थीं,सवाल उठ रहा है कि यदि यह सही है,तो निगरानी तंत्र कहाँ था?

पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका

स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें राजेश सिंह सिसोदिया शामिल हैं,ने करीधा पुलिस और खनिज विभाग की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग की है,आरोप है कि यदि एक वर्ष से गतिविधियाँ जारी थीं,तो संबंधित विभागों की जानकारी या निगरानी के बिना यह संभव नहीं,मांग की गई है कि जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित थाना/चीकी प्रभारी का स्थानांतरण कर स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए।

आठ बिंदुओं पर स्पष्टता की मांग

- जापनों में जिन प्रमुख बिंदुओं पर जांच की मांग उठी है, उनमें शामिल हैं...
- मारपीट की जिम्मेदारी किसकी?
- क्या कार्रवाई एकतरफा थी?
- जब्त ट्रक की कानूनी स्थिति क्या है?
- क्या पर्याप्त पुलिस बल उपलब्ध कराया गया था?
- मृतक व घायलों की मेडिकल रिपोर्ट क्या कहती है?
- अवैध खनन पर पूर्ण में कितनी कार्रवाई हुई?
- पांच लाख की कथित मांग का आधार क्या है?
- घटनास्थल से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों (जैसे मोबाइल) की जब्ती/जांच की स्थिति क्या है?



जवाबदेही की कसौटी पर व्यवस्था

कुसमी कांड अब अवैध खनन से आगे बढ़कर प्रशासनिक जवाबदेही और कानून-व्यवस्था की परीक्षा बन गया है, एक ओर ग्रामीणों की न्याय की मांग है,दूसरी ओर संस्थागत प्रक्रियाओं की पारदर्शिता का सवाल, अंतिम सत्य आधिकारिक जांच रिपोर्ट और न्यायिक प्रक्रिया से ही सामने आएगा। तब तक,यह प्रकरण क्षेत्रीय शासन-प्रणाली के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी बना रहेगा।

प्रशासन का पक्ष और आगे की राह

प्रशासन की ओर से कहा गया है कि मामले की जांच जारी है और जो भी दोषी पाया जाएगा,उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में बहु-विभागीय जांच (राजस्व,पुलिस,खनिज और फॉरेंसिक) तथा पारदर्शी तथ्य-प्रकाशन से ही जनता का भरोसा बहाल हो सकता है।

मोमिनपुरा में पीलिया का प्रकोप गहराया 42 मरीज मिले,दूषित पानी की पुष्टि के बाद स्वास्थ्य विभाग अलर्ट...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

शहर के मोमिनपुरा क्षेत्र में पीलिया के बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ा दी है। अब तक 42 से अधिक लोग पीलिया से पीड़ित पाए गए हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों के बीच कराई गई पानी की जांच में पेयजल दूषित मिलने से स्थिति और गंभीर हो गई है। 14 फरवरी को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ की टीम ने प्रभावित मोहल्ले के कई घरों से पीने के पानी के सैंपल लिए थे। इन सैंपलों को जांच के लिए राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी विभाग भेजा गया। जांच रिपोर्ट में कई सैंपलों में बैक्टीरियल संक्रमण



की पुष्टि हुई है। माइक्रोबायोलॉजी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार कुछ नमूनों में 22 से 28 एम्पीएन प्रति 100 मिलिलीटर तक बैक्टीरियल लोड पाया गया,जो पीने योग्य पानी की श्रेणी में नहीं आता। विभाग के अनुसार क्लोरीनयुक्त पानी में एम्पीएन की मात्रा शून्य होनी

स्थिति को गंभीर मानते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रेम सिंह माकों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) को पत्र लिखकर जल स्रोत की जांच और सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम को भी सूचना प्रेषित की है, ताकि जल आपूर्ति व्यवस्था की तत्काल समीक्षा की जा सके। डॉ. माकों ने बताया कि शुरुआती 10-15 मरीज सामने आने के बाद ही पानी की जांच कराई गई थी। जांच में सामान्य से अधिक एम्पीएन पाया गया। अब मरीजों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है, जिससे विभाग सतर्क है।

डिसइंफेक्शन और मरम्मत की सिफारिश : माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने जल स्रोत के

डिसइंफेक्शन, पंप और प्लेटफॉर्म के नियमित रखरखाव तथा संरचनात्मक खामियों को दूर करने की सलाह दी है। पर्याप्त शुद्धिकरण के बाद ही पानी को उपयोग योग्य माना जाएगा।

क्षेत्र में दहशत का माहौल

लगातार बढ़ते मरीजों और पानी दूषित पाए जाने की खबर के बाद मोमिनपुरा क्षेत्र में चिंता का माहौल है। कई परिवार वैकल्पिक जल स्रोत तलाश रहे हैं। अब लोगों की निगाहें प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हैं कि कब तक शुद्ध पेयजल की व्यवस्था बहाल की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से उबालकर पानी पीने और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की अपील की है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने लखनपुर में जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से की भेंट

जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज लखनपुर स्थित अपने निज निवास पर क्षेत्र के नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने न केवल आमजन की समस्याओं को गंभीरता से सुना, बल्कि संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु निर्देशित भी किया। मंत्री राजेश अग्रवाल का यह जनसंपर्क कार्यक्रम औपचारिकता से परे, संवेदनशील संवाद का उदाहरण बनकर सामने आया। उनके व्यवहार में सहजता,सहृदयता और आत्मीयता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई। क्षेत्रवासियों ने खुलकर सड़क,पेयजल,विद्युत,शिक्षा,स्वास्थ्य और सामाजिक सुविधाओं से जुड़ी मांगें मंत्री के समक्ष रखीं,जिन पर उन्होंने तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने का भरोसा दिलाया। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार जनकल्याण एवं क्षेत्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध है तथा प्रत्येक नागरिक की समस्या का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों पर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा प्रगति की



नियमित समीक्षा की जाए। श्री राजेश अग्रवाल का मानना है कि जनप्रतिनिधि का दायित्व केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जनता के सुख-दुख से सहभागी बनना ही वास्तविक जनसेवा है। श्री अग्रवाल जनता से निरंतर संपर्क में रहकर समस्याओं के समाधान के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उनकी कार्यशैली में पारदर्शिता, जवाबदेही और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता झलकती है। वे क्षेत्र के विकास को केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि सामाजिक दायित्व मानते हैं। यही कारण है कि क्षेत्र के लोग उन्हें सहज, सुलभ और संवेदनशील जनप्रतिनिधि के रूप में देखते हैं।

मैनपाट रोड पर स्कॉर्पियो लूट का एक आरोपी गिरफ्तार



-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

दरिमा थाना क्षेत्र में 10 फरवरी की देर शाम हुई स्कॉर्पियो लूट की वारंट अग्रे में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं अन्य आरोपी अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। लूटी गई स्कॉर्पियो को पुलिस ने घटना के दिन ही कोरबा जिले के जंगल से लावारिस हालत में बरामद कर लिया था। जानकारी के अनुसार भट्टी रोड निवासी अंकित सिन्हा अपनी स्कॉर्पियो किराए पर चलवाता है। 10 फरवरी की सुबह उसके एक परिचित ने फोन कर बताया कि चार युवक मैनपाट घूमने के लिए वाहन बुक करना चाहते हैं। अंकित स्कॉर्पियो क्रमांक सीजी 16 सीजे 5333 से पुराना बस स्टैंड के पास पहुंचा और चारों युवकों को लेकर मैनपाट गया। घूमने के बाद जब वह देर शाम वापस अंबिकापुर लौट रहा था,तभी दरिमा थाना क्षेत्र अंतगर्ज मैनपाट रोड पर आरोपियों ने उल्टी आने का बहाना कर वाहन रुकवाया। वाहन रुकते ही बदमाशों ने अंकित के गले में बेल्ट डालकर उसका गला दबाने की कोशिश की और मारपीट शुरू कर दी। जान बचाने के लिए अंकित वाहन से उतर गया। इसके बाद आरोपी स्कॉर्पियो लेकर फरार हो गए।

कोरबा जंगल से मिली थी स्कॉर्पियो

पोंडित ने घटना की रिपोर्ट दरिमा थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जिले और सीमावर्ती जिलों के थानों को अलर्ट किया। पुलिस की सक्रियता बढ़ती देख आरोपी वाहन को कोरबा जिले के जंगल में छेड़कर फरार हो गए। पुलिस ने उसी रात वाहन बरामद कर लिया था।

मध्यप्रदेश से पकड़ा गया आरोपी

दरिमा पुलिस और साइबर सेल की मदद से मामले में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम गोविंद पटेल (21 वर्ष) निवासी बसंतपुर दफाई अमलाई, जिला अनूपपुर (मध्यप्रदेश) बताया गया है।

लंबे इंतजार के बाद सरगुजा को मिल सकती है बड़ी हवाई राहत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग को जल्द ही दिल्ली की सीधी हवाई कनेक्टिविटी मिलने जा रही है। मार्च के आखिरी सप्ताह से एलायंस एयर कंपनी अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट से दिल्ली के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू करेगी। आधिकारिक सूचना मिलने के बाद क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। हवाई सेवा का संचालन एलायंस एयर द्वारा किया जाएगा। कंपनी सप्ताह में दो दिन-सोमवार और बुधवार-अंबिकापुर से दिल्ली के लिए उड़ान संचालित करेगी। यह सेवा बिलासपुर होते हुए दिल्ली पहुंचेगी। कंपनी 72 सीटर एटीआर विमान से संचालन करेगी, जिससे यात्रियों को पूर्व की तुलना में अधिक सीटें



उपलब्ध होंगी। उल्लेखनीय है कि दिसंबर 2024 में उड़ान 4.2 योजना के तहत फ्लाई विंग कंपनी ने अंबिकापुर से रायपुर और बिलासपुर के लिए 19 सीटर विमान सेवा शुरू की थी। लेकिन अनियमित

संचालन और कम यात्री संख्या के कारण यह सेवा छह महीने में ही बंद हो गई। तब से एयरपोर्ट पर नियमित उड़ानें पूरी तरह ठप थीं। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार नई सेवा से एक बार फिर दरिमा एयरपोर्ट सक्रिय हो

बोर्ड परीक्षा के पहले दिन हादसा,छात्र की मौत 12 वीं की परीक्षा देने जाते समय गिड्डी पर फिसली बाइक, साथी गंभीर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12 वीं बोर्ड परीक्षा के पहले ही दिन शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में छात्र की मौत हो गई। हादसा बतौली थाना क्षेत्र में हुआ। मृतक अपने मित्र के साथ बाइक से परीक्षा केंद्र जा रहा था। गंभीर रूप से घायल दूसरे छात्र का इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार ग्राम झेराडीह निवासी अनिकेश तिवारी (18) और ग्राम बैलकोटा निवासी निष्क एकका (18) बतौली के शांतिनगर स्थित



स्वामी आत्मानंद स्कूल में अध्ययनरत थे। शुक्रवार सुबह दोनों 12 वीं की परीक्षा देने बाइक से निकले थे। ग्राम कुनकुरी के पास सड़क निर्माण के लिए किनारे डाली गई गिड्डी पर बाइक का संतुलन

अचानक बिगड़ गया। तेज रफ्तार में चल रही बाइक सामने जा रहे दूसरे बाइक सवार से टकरा गई और उछलकर दूर जा गिरी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों छात्र करीब 20-25 फीट तक सड़क पर

धिसटते चले गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शांतिनगर पहुंचाया गया। जहां जांच के दौरान डॉक्टरों ने निष्क एकका को मृत घोषित कर दिया। वहीं अनिकेश तिवारी को गंभीर हालत में अंबिकापुर रेफर किया गया है। उसके सिर सहित शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। परिजनों के अनुसार निष्क आमतौर पर बस से स्कूल आता-जाता था। वह पहली बार अनिकेश के साथ बाइक से परीक्षा देने गया था। परीक्षा केंद्र समय पर पहुंचने की मत्तदबाजी में बाइक तेज रफ्तार से चलाई जा रही थी।

सही तरीके से दिया गया सीपीआर से बचाई जा सकती है जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी जिला शाखा सरगुजा द्वारा संत हर्केवल शिक्षा महाविद्यालय में प्राथमिक उपचार परीक्षण शिविर के साथ रक्तदान,नेत्रदान,अंगदान एवं देहदान जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में आपातकालीन सहायता,मानव सेवा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करना था। डॉ. श्रीकांत सिंह (मेडिकल ऑफिसर, नवापारा) ने प्राथमिक उपचार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विशेष रूप से सीपीआर की जीवन रक्षक



तकनीक का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की हृदय गति या श्वास रुक जाए,तो तत्काल और सही तरीके से दिया गया सीपीआर उसके जीवन को बचा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को छाती दबाव की सही विधि, गति एवं गहराई की जानकारी दी तथा आपात स्थिति में घबराने के बजाय त्वरित कार्रवाई करने की बात कही।

अम्बिकापुर-बनारस मार्ग बना 'जश्न का मंच',सात आरोपी गिरफ्तार

बर्थडे के नाम पर बीच सड़क आतिशबाजी,यातायात बाधित करने पर पुलिस की सख्त कार्रवाई...



**-संवाददाता-
सूरजपुर,20 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।**

अम्बिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर बीच सड़क वाहनों को खड़ा कर बर्थडे मनाया और आतिशबाजी करना सात युवकों को भारी पड़ गया। सूरजपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, घटना 16 फरवरी की रात्रि लगभग 10 से 11 बजे के बीच सोनवाही स्थित आरव रेस्टोरेंट के सामने की है, जहां सार्वजनिक मार्ग को जश्न का मंच बना दिया गया था, इस मामले में चौकी लटोरी,थाना जयनगर पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 54/2026 के तहत प्रारंभिक रूप से भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 285 एवं 126(2) के अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया गया था।

बीच सड़क खड़ी की गाड़ियां,कोड़े पटाखे

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी अमितेश गुप्ता,अंशुल अग्रवाल और उनके अन्य साथियों

ने मुख्य मार्ग पर कार खड़ी कर यातायात अवरुद्ध कर दिया, इसके बाद तेज आवाज में संगीत बजाकर बर्थडे मनाया गया तथा सड़क पर ही आतिशबाजी की गई,रात्रि के समय यह मार्ग अत्यंत व्यस्त रहता है,ऐसे में अचानक सड़क अवरुद्ध होने से अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा,तेज रफ्तार से आ रहे वाहनों के लिए यह स्थिति संभावित दुर्घटना का कारण बन सकती थी।

डीआईजी-एसएसपी के निर्देश पर बनी विशेष टीम

मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशांत कुमार ठाकुर,डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर,ने तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी के निर्देश दिए,पुलिस की दो विशेष टीमों गति की गई, तकनीकी साक्ष्यों,सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर सूचना के आधार पर लगातार दबिश दी गई,विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाश के बाद सातों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।



बढ़ाई गई धाराएं और वाहन जब्त : जांच के दौरान आरोपियों द्वारा सार्वजनिक स्थल पर खतरनाक तरीके से बाधा उत्पन्न करना,वाहन खड़ा कर आवागमन अवरुद्ध करना और पटाखे फोड़ना प्रमाणित पाए जाने पर बीएनएस की धारा 287 एवं 288 के साथ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184 (लापरवाही से वाहन चलाना/खड़ा करना) और 201 भी

जोड़ी गई, घटना में प्रयुक्त दो चारपहिया वाहन (कार) पुलिस द्वारा जब्त किए गए हैं। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सार्वजनिक सुरक्षा से खिलवाड़ पर सख्त रुख : पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्ग पर इस प्रकार की गतिविधियां न केवल कानून का उल्लंघन हैं,

गिरफ्तार आरोपी गिरफ्तार किए गए आरोपियों में शामिल हैं

- अमितेश गुप्ता उर्फ जानू (24 वर्ष),वार्ड क्र. 44, अम्बिकापुर
- अंशुल अग्रवाल (25 वर्ष),अम्बिकापुर
- प्रथम अग्रवाल (24 वर्ष),मणपुर,अम्बिकापुर
- शुभम अग्रवाल (23 वर्ष),कुंडला सिटी,अम्बिकापुर
- महेश साहू (27 वर्ष),बिलासपुर चौक,अम्बिकापुर
- निखिल रामा (26 वर्ष),जनपदपारा,अम्बिकापुर
- अरुण देवांगन (39 वर्ष),लटोरी

बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा के साथ गंभीर खिलवाड़ भी हैं,जश्न मनाया अपराध नहीं है, लेकिन यदि वह दूसरों की जान जोखिम में डालकर किया जाए तो उस पर सख्त कार्रवाई तय है,पुलिस ने चेतावनी दी है कि भविष्य में भी सड़क पर स्टंट,आतिशबाजी या जश्न मनाकर यातायात बाधित करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे।

कार्रवाई में सक्रिय टीम : इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी लटोरी अरुण गुप्ता,प्रधान आरक्षक रामनिवास तिवारी,आरक्षक विकास

मिश्रा,संतोष जायसवाल,सुनील एक्का, शोभनाथ कुशवाहा तथा साइबर सेल की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

पुलिस की अपील : सूरजपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है सार्वजनिक स्थानों पर नियमों का पालन करें,सड़क को जश्न का स्थल न बनाएं,यातायात नियमों का सम्मान करें,सोशल मीडिया के दिखावे के लिए जोखिम न लें,पुलिस ने दोहराया है कि कानून व्यवस्था और जनसुरक्षा से समझौता किसी भी स्थिति में बदरश्त नहीं किया जाएगा।

रिहन्द नदी पर मोहरा ऐनीकट घोषित हुआ दुर्घटना संभावित क्षेत्र सेल्फी,स्नान व अनावश्यक ठहराव पर पूर्ण प्रतिबंध,चेतावनी बोर्ड स्थापित

**-संवाददाता-
सूरजपुर,20 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।**

जिले के रामनगर एवं नयनपुर ग्राम के समीप रिहन्द नदी पर निर्मित मोहरा ऐनीकट को प्रशासन ने औपचारिक रूप से दुर्घटना संभावित क्षेत्र घोषित कर दिया है,संभावित जोखिमों को देखते हुए जल संसाधन विभाग छत्तीसगढ़ ने ऐनीकट क्षेत्र में व्यापक सुरक्षा प्रबंध लागू किए हैं, विभाग द्वारा ऐनीकट के दोनों किनारों-एक ओर ग्राम रामनगर और दूसरी ओर ग्राम नयनपुर-में स्पष्ट चेतावनी सूचना बोर्ड स्थापित किए गए हैं। इन बोर्डों में सेल्फी लेने, स्नान करने तथा अनावश्यक रूप से ऐनीकट पर रुकने को प्रतिबंधित बताया गया है।

आवाक बढ़ता जलस्तर बन रहा खतरा

विभागीय अधिकारियों के अनुसार ऐनीकट क्षेत्र में जलस्तर अचानक बढ़ने की आशंका बनी रहती है,विशेष रूप से ऊपरी क्षेत्रों से पानी छोड़े जाने की स्थिति में वर्षा के दौरान जलप्रवाह बढ़ने पर,नदी की धारा में तेज बहाव आने पर,कुछ ही मिनटों में पानी का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच सकता है। ऐसे में यदि कोई व्यक्ति ऐनीकट पर मौजूद हो, तो उसका संतुलन बिगड़ना या बहाव में बह जाना संभव है, अधिकारियों ने बताया कि ऐनीकट की सतह पर कोई और नमी के कारण फिसलन भी बनी रहती है, जिससे गिरने का खतरा और बढ़ जाता है।

सेल्फी और रोमांच पर सख्त रोक

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण नदी, बांध और ऐनीकट



बच्चों और युवाओं के लिए विशेष सावधानी
अधिकारियों ने अभिभावकों से विशेष अपील की है कि वे अपने बच्चों और किशोरों को ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में जाने से रोकें,विद्यालयों एवं ग्राम पंचायतों के माध्यम से भी जागरूकता फैलाने की पहल की जा रही है,ग्राम स्तर पर जनप्रतिनिधियों से कहा गया है कि वे स्थानीय लोगों को संभावित खतरों के बारे में सचेत करें।

सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम

ऐनीकट के दोनों छोर पर चेतावनी बोर्ड लगाए गए,खतरनाक क्षेत्रों की पहचान कर चिह्नकन किया गया,स्थानीय प्रशासन द्वारा निगरानी बढ़ाने के निर्देश,ग्राम पंचायतों के सहयोग से जनजागरूकता अभियान विभाग का कहना है कि भविष्य में आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

जैसे स्थलों पर सेल्फी और वीडियो बनाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कई स्थानों पर इसी लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं भी हुई हैं, जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि मोहरा ऐनीकट पर सेल्फी लेना, पानी में उतरना या रोमांच के उद्देश्य से वहां ठहरना पूर्णतः प्रतिबंधित है, नियमों का उल्लंघन करने पर आवश्यक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

जनसहयोग ही सुरक्षा की कुंजी

जल संसाधन विभाग ने जिलेवासियों से आग्रह किया है कि चेतावनी बोर्डों का पालन करें, ऐनीकट पर अनावश्यक भीड़ न लगाएं,बाहरी पर्यटकों को भी सावधान करें,किसी भी संदिग्ध या जोखिमपूर्ण गतिविधि की सूचना प्रशासन को दें,अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य किसी की स्वतंत्रता सीमित करना नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

सावधानी ही सुरक्षा

मोहरा ऐनीकट प्राकृतिक सौंदर्य का आकर्षक स्थल अवश्य है,लेकिन सुरक्षा के दृष्टिकोण से यह संवेदनशील क्षेत्र है,एक छोटी सी लापरवाही बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है,प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जिम्मेदारी निभाते हुए नियमों का पालन करें, ताकि किसी भी अशुभ घटना से बचा जा सके और क्षेत्र में सुरक्षित वातावरण बना रहे।

जनसंवाद से मजबूत हो रहा विश्वास,गांव-गांव पहुंचकर सुन रहे लोगों की पीड़ा,हर घर तक योजनाओं का लाभ दिलाना लक्ष्य : प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह

**-संवाददाता-
सूरजपुर,20 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।**

जनप्रतिनिधि सिर्फ मंच तक सीमित न रहें, बल्कि चौपाल तक पहुंचें-इसी सोच को व्यवहार में उतारते हुए भूलन सिंह मरावी, विधायक प्रेमनगर, गुरुवार को सूरजपुर ग्रामीण मंडल के विभिन्न ग्रामों के दौरे पर पहुंचे। ग्राम नेवरा,झांसी,बसदेई, लोधिमा,उंचडीह,तेदुपारा,सरमा और पसला में विधायक ने गांव की गलियों में पैदल भ्रमण किया, घर-घर दस्तक दी और चौपाल में बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद स्थापित किया। उनके इस दौरे में औपचारिकता से अधिक आत्मीयता और संवाद की सहजता देखने को मिली।

घर-घर संवाद,चौपाल में समाधान

विधायक मरावी ने कहा कि योजनाएं कागजों में नहीं, जमीन पर दिखनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचेगा,तब तक विकास अधूरा रहेगा,दौरे के दौरान ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याएं सामने रखीं,कच्ची सड़कों को पक्की करने की मांग,पेयजल की अनियमित आपूर्ति, राशन वितरण में पारदर्शिता, बिजली और आवास योजनाओं से जुड़ी परेशानियां,विधायक ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देने की बात कही और समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया।

भाजपा कार्यकर्ताओं को दिया संदेश

विधायक ने उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केवल संगठनात्मक बैठकों तक सीमित न रहें, बल्कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाएं,उन्होंने कहा जनता के बीच रहकर ही असली जानकारी मिलती है,कार्यालय में बैठकर गांव की समस्या समझी नहीं जा सकती।



उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण

जनसंपर्क कार्यक्रम के बाद विधायक ने ग्राम पंचायत नेवरा स्थित उचित मूल्य दुकान का औचक निरीक्षण किया, उन्होंने चावल वितरण व्यवस्था का जायजा लिया और हितग्राहियों से सीधा संवाद किया-क्या समय पर राशन मिल रहा है? ग्रामीणों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया, लेकिन साथ ही सेल्समैन को स्पष्ट चेतावनी दी कि गरीबों के हक में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सक्रिय और संवेदनशील नेतृत्व

प्रेमनगर विधायक की कार्यशैली में एक सक्रिय, सरल और संवेदनशील जनप्रतिनिधि की छवि दिखाई देती है। वे अक्सर बिना पूर्व सूचना गांवों का दौरा कर जमीनी स्थिति का आकलन करते हैं, ग्रामीणों के अनुसार,नेता का गांव में आकर हालचाल पूछना और समस्या सुनना ही भरोसा बढ़ाता है,दौरे के दौरान सूरजपुर ग्रामीण भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय राजवाड़े,सागर सिंह सहित मंडल के पदाधिकारी,बृथ अध्यक्ष और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। ग्रामीणों में विधायक के आगमन को लेकर उत्साह और आत्मीयता का माहौल देखा गया।

मां सर्वेश्वरी प्रीमियर लीग 2026 : दूरांचल में खेल क्रांति का भव्य समापन

**-संवाददाता-
सूरजपुर,20 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।**

सूरजपुर जिले के दूरस्थ वनांचल क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर महली में खेल और सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिला,जब मां सर्वेश्वरी प्रीमियर लीग क्रिकेट कौशल निर्माण खेल महाकुंभ 2026 का भव्य समापन समारोह संपन्न हुआ। यह आयोजन श्री सर्वेश्वरी समूह के तत्वावधान में संचालित अवधूत भगवान राम कुष्ठ सेवा आश्रम,पड़व वाराणसी (उ.प्र.) द्वारा किया गया, जिसने खिलाड़ियों को पेशेवर लीग जैसा अनुभव प्राप्त हुआ,ग्रामीण अंचल में पहली बार

16 दिनों तक चला खेल महाखंड

3 फरवरी 2026 से प्रारंभ इस प्रतियोगिता में 7 फ्रेंचाइजी की कुल 105 क्षेत्रीय खिलाड़ियों ने भाग लिया, पूरे 16 दिनों तक खिलाड़ियों को केवल मैच ही नहीं, बल्कि तकनीकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी प्रशिक्षण,फिटनेस एवं फील्डिंग ड्रिल,टीम मैनेजमेंट और नेतृत्व कौशल,खेल अनुशासन एवं मानसिक मजबूती जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष प्रशिक्षण दिया गया,आयोजन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तर्ज पर प्लांटेट टेबल प्रणाली से संचालित किया गया, जिससे खिलाड़ियों को पेशेवर लीग जैसा अनुभव प्राप्त हुआ,ग्रामीण अंचल में पहली बार



इस स्तर की लीग प्रणाली ने युवाओं में उत्साह और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का संचार किया।

फाइनल मुकाबले में रोमांच चरम पर : फाइनल मुकाबला बिहारपुर टाइगर्स और अवतिकापुर टाइटल्स के बीच खेला गया, बिहारपुर टाइगर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 12 ओवर में 200 रन का विशाल लक्ष्य खड़ा किया, जवाब में अवतिकापुर टाइटल्स ने शानदार संघर्ष करते हुए 190 रन बनाए,परंतु लक्ष्य से 10 रन पीछे रह गई, इस प्रकार बिहारपुर टाइगर्स ने 2026 का खिताब अपने नाम किया,पूरी श्रृंखला के

दौरान कई यादगार क्षण देखने को मिले, कई खिलाड़ियों ने शतक जड़े, 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाने का कारनामा,गेंदबाजों द्वारा हैट्रिक लेकर मैच का रुख बदल देना दर्शकों की भारी भीड़ ने तालियों और नारों से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। ग्रामीण परिवेश में ऐसा खेल उत्सव किसी बड़े शहर के स्टेडियम जैसा वातावरण निर्मित कर रहा था।

उद्देश्य: खेल के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण-आयोजन का मूल उद्देश्य केवल टॉफी जीतना नहीं,बल्कि पिछड़े और दूरस्थ क्षेत्र के युवाओं को अवसर देना,अनुशासन, नेतृत्व और



टीम भावना का विकास, नशामुक्ति और सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करना, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को जिला एवं राज्य स्तर तक पहुँचाने का मार्ग प्रशस्त करना, क्षेत्रीय समाजसेवियों ने इसे युवाओं के भविष्य के लिए 'एक सशक्त पहल' बताया और कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देते हैं।

खेल के साथ सेवा का संगम : समापन समारोह केवल पुरस्कार वितरण तक सीमित नहीं रहा। सेवा कार्यों ने इस आयोजन को और भी सार्थक बना दिया,105 खिलाड़ियों को निःशुल्क

वस्त्र वितरण,अघोरेश्वर संदेश एवं स्वतंत्रता रक्षा पंपलेट वितरण,251 लोगों को भंडारा एवं महाप्रसाद,शाखा अंबिकापुर द्वारा 30 लॉकेट एवं 80 पुस्तकें वितरित,क्रिकेट कमेटी को बैट-बॉल किट एवं 30 ट्रेकसूट प्रदान,पूजा-अर्चना के साथ अवधूत भगवान राम एवं बाबा गुरुपद संभव राम के आशीर्वाद से आयोजन का समापन हुआ।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति : कार्यक्रम में समर विजय सिंह तोमर,प्रमोद श्रीवास्तव,बृजेश राय,रमेश यादव,मिथिलेश यादव,पुनम चंद गोयल (मन्नु सेठ) सहित

शाखा अंबिकापुर एवं शाखा मकरी कुटिया के पदाधिकारी उपस्थित रहे,क्षेत्रीय समाजसेवियों में सरपंच रमसाय सिंह,उपसरपंच तुलसी जायसवाल,संतोष पाठक,मदन जायसवाल, अरुण जायसवाल,बैकुंठ जायसवाल,शिर्षुपाल जायसवाल,अनुज सिंह,देवनाथ सिंह,बाल सिंह, मनोज जायसवाल एवं ई.आर.लक्ष्मण जायसवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

ग्रामीण खेल प्रतिभा को मिला नया आयाम

'मां सर्वेश्वरी प्रीमियर लीग क्रिकेट कौशल निर्माण 2026' ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती—उसे केवल अवसर और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है,दूरांचल क्षेत्र में इस प्रकार का सुव्यवस्थित आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को निखारता है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक संदेश भी देता है कि युवा शक्ति ही भविष्य का असली ताकत है,यह खेल महाकुंभ आने वाले वर्षों में और बड़े स्वरूप में आयोजित करने की घोषणा के साथ समाप्त हुआ, जिससे क्षेत्र में खेल संस्कृति के विस्तार की नई उम्मीदें जागृत हो गई हैं।

दर्शन के साथ करोड़ों की एंट्री, फिर स्कॉर्पियो N की सवारी तीर्थ या ट्रंजैक्शन? यात्रा के दौरान धनवर्षा और बाद में लजरी गाड़ी दर्शन, धन और दमदार गाड़ी: बैकुंठपुर में तीर्थ योजना पर उठे तीखे सवाल आस्था की आड़ में अर्थ का खेल? तीर्थ यात्रा से लौटे तो स्कॉर्पियो N घर में



शिक्षा परिसर पर प्रशासनिक कब्जा?

उत्सव की रोशनी में धुंधला होता मैदान, बोर्ड परीक्षाओं के बीच शोर-चौमुखी विकास कैसे होगा?

विकसित कोरिया या सिकुड़ता शिक्षा हब? मैदान बना स्थायी आयोजन स्थल शिक्षा परिसर पर प्रशासन का कब्जा-चौमुखी विकास का सपना अधूरा

उत्सव बनाम परीक्षा: मैदान पंडालों के लिए, छात्र शोर में तैयार स्कूल का मैदान या प्रशासनिक मंच? शिक्षा पर सवाल की बौछार रोशनी, लाउडस्पीकर और परीक्षा-किसे चुनेगा प्रशासन?

पढ़ाई पर पंडाल भारी-मैदान छिना, विकास की दिशा बदली?

जब शिक्षा हब बना इवेंट ज़ोन-छात्रों का चौमुखी विकास कैसे होगा?

शिक्षा से ज्यादा आयोजन? कोरिया में प्राथमिकताओं पर गंभीर सवाल

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर (कोरिया), 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
तीन दिवसीय जिला उत्सव खत्म हो चुका है, मंच उतर रहे हैं, पंडाल उखड़ रहे हैं, रोशनी बुझ रही है, लेकिन जो सवाल उठे हैं, वे अभी भी पूरी ताकत से खड़े हैं, क्या प्रशासन को शिक्षा व्यवस्था सुधारने से ज्यादा उसे उपयोग में

लेने की जल्दी है? और क्या विकास की गंगा सचमुच बह रही है, या शिक्षा का मैदान ही सूखता जा रहा है? यह प्रश्न इसलिए तीखा है क्योंकि बैकुंठपुर शहर का वह इलाका, जिसे वर्षों पहले शिक्षा हब के रूप में विकसित करने की दूरदृष्टि के साथ तैयार किया गया था, आज वही क्षेत्र प्रशासनिक आयोजनों का स्थायी मंच बनता जा रहा है।

परीक्षा से ठीक पहले उत्सव-प्राथमिकताएं किसकी?

17 से 19 फरवरी तक चला तीन दिवसीय जिला उत्सव-और 20 फरवरी से बोर्ड परीक्षाएं। यह कैलेंडर किसी से छिपा नहीं था, फिर भी परीक्षा से ठीक पहले शिक्षा परिसर के पास बड़े मंच, लाइटिंग, भीड़ और देर रात तक गूजते लाउडस्पीकर-क्या यह समय चयन छात्रों की तैयारी के अनुरूप था? छात्रावास में रह रहे परीक्षार्थियों के लिए अंतिम सप्ताह सबसे महत्वपूर्ण होता है। ऐसे समय में ध्वनि विस्तारकों की आवाजें, ट्रैफिक, भीड़ और देर रात

तक चलने वाले कार्यक्रम एकाग्रता पर असर डालते हैं, यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि जिन छात्रों को परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना था, वे शोर और व्यवधान के बीच तैयारी करने को विवश रहे, प्रशासन का तर्क हो सकता है कि सांस्कृतिक आयोजन जिले की पहचान बढ़ाते हैं, पर्यटन को प्रोत्साहन देते हैं, स्थानीय कलाकारों को मंच मिलता है। यह सब महत्वपूर्ण है। पर क्या यह शिक्षा की कीमत पर होना चाहिए?



दूसरा मैदान भी गया-सिकुड़ता खुला क्षेत्र

जिले में एक अन्य बड़ा मैदान, जो खेल और शिक्षा गतिविधियों के लिए उपयोगी हो सकता था, अब पुलिस अधीक्षक कार्यालय के निर्माण में चला गया है, अर्थात् शिक्षा और खेल के लिए उपलब्ध खुले स्थान लगातार कम होते जा रहे हैं, जब शहर में वैकल्पिक आयोजन स्थल विकसित नहीं किए जाते, तब शिक्षा परिसर ही सबसे आसान विकल्प बन जाता है, लेकिन आसान विकल्प हमेशा सही विकल्प नहीं होता।

अतिरिक्त आयोजन और प्रशासनिक मौन

महाविद्यालय की जमीन पर अतिरिक्त आयोजनों की चर्चाएं भी स्थानीय स्तर पर उठती रही हैं, यदि यह सच है, तो उसे हटाने की पहल क्यों नहीं होती? यदि मैदानों का स्थायी उपयोग प्रशासनिक कार्यक्रमों के लिए हो रहा है, तो क्या उन्हें शिक्षा प्रयोजन के लिए संरक्षित घोषित नहीं किया जाना चाहिए? मौन अक्सर अफवाहों को जन्म देता है, स्पष्ट नीति और सार्वजनिक जानकारी ही विश्वास को मजबूत करती है।

विकसित कोरिया या सिकुड़ता शिक्षा?

बाहर से देखें तो जिले में विकास के कई प्रतीक दिखते हैं-भव्य आयोजन, रोशनी, मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, पर विकास का वास्तविक पैमाना यह है कि अगली पीढ़ी को किस वातावरण में तैयार किया जा रहा है, यदि खेल मैदान सीमित हो रहे हैं, छात्रावास के बच्चे शोर में पढ़ रहे हैं, और परीक्षा से पहले भी आयोजन की प्राथमिकता बनी रहती है, तो यह विकसित कोरिया नहीं, सिकुड़ता शिक्षा परिसर का संकेत है, चौमुखी विकास का अर्थ केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, उसमें शैक्षणिक, शारीरिक और मानसिक संतुलन शामिल है, मैदान न मिले तो शारीरिक विकास बाधित, शांति न मिले तो शैक्षणिक विकास बाधित, प्राथमिकता न मिले तो मानसिक संतुलन प्रभावित।

समाधान क्या है?

यह खबर उत्सव या प्रशासन के खिलाफ नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं के संतुलन के पक्ष में है, समाधान स्पष्ट है, शिक्षा परिसरों को 'नो-इवेंट ज़ोन' घोषित किया जाए, विशेषकर परीक्षा अवधि में, शहर के लिए एक स्थायी स्टेडियम या बहुउद्देशीय आयोजन स्थल विकसित किया जाए, ताकि प्रशासनिक कार्यक्रम वहीं हों, महाविद्यालय और स्कूल की जमीन पर यदि कोई अतिरिक्त आयोजन है, तो उसे हटाने की पारदर्शी कार्रवाई हो, परीक्षा कैलेंडर के अनुसार बड़े आयोजनों की तिथि तय की जाए, ध्वनि प्रदूषण नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए, यदि मुख्यमंत्री के समक्ष मांगों की सूची प्रस्तुत की जाती है, तो उसमें शहर के लिए स्टेडियम या वैकल्पिक आयोजन स्थल की मांग प्रमुखता से शामिल होनी चाहिए थी, यह केवल प्रशासन की सुविधा नहीं, बल्कि शिक्षा की सुरक्षा का प्रश्न है।

रोशनी बनाम भविष्य

उत्सव की रोशनी कुछ दिनों में बुझ जाती है, पर छात्रों का भविष्य वर्षों तक आकार लेता है, जब शिक्षा परिसर ही प्रशासनिक सुविधा का स्थायी केंद्र बन जाए, तो चौमुखी विकास का नारा खोखला लगने लगता है, विकास की असली परीक्षा मंच की चकाचौंध में नहीं, बल्कि कक्षा की शांति और खेल के मैदान की उपलब्धता में होती है, अब यह तय करना प्रशासन के हाथ में है क्या शिक्षा को प्राथमिकता दी जाएगी, या मैदानों को अस्थायी मंचों में बदलने की परंपरा जारी रहेगी? कोरिया का भविष्य पंडालों से नहीं, पुस्तकों और खेल के मैदानों से तय होगा।

दूरदृष्टि से बना शिक्षा हब-अब बहुउद्देशीय 'इवेंट ज़ोन'?

रामानुज हायर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना और उसके बाद उच्च शिक्षा के लिए महाविद्यालय का निर्माण-यह महज भवन नहीं थे, यह एक विचार था, महाविद्यालय का नाम रामानुज प्रताप सिंह देव के नाम पर रखा गया,

यह उस शैक्षणिक विरासत का प्रतीक था, जिसमें बैकुंठपुर को शिक्षा के केंद्र के रूप में देखा गया, इसी परिसर के आसपास दो बड़े शासकीय स्कूल, एक बड़ा छात्रावास और खेलकूद के लिए विस्तृत मैदान विकसित

किए गए, यह मैदान केवल खेल के लिए नहीं थे-यहां स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, परेड, एनसीसी, वार्षिक समारोह और दैनिक शारीरिक गतिविधियां होती रहीं, आज तस्वीर बदली हुई दिखती है, वही मैदान, जो छात्रों के

चौमुखी विकास का आधार थे, अब बड़े आयोजनों, मंचों, पंडालों और प्रशासनिक कार्यक्रमों के लिए बार-बार आशंकित हो रहे हैं, 365 दिनों में अधिकांश समय मैदान एंज रहने की शिकायतें स्थानीय स्तर पर आम हैं।

कोरबा में गोलीबारी की सनसनीखेज वारदात...

एकतरफा इश्क में सिरफिरे आशिक ने लड़की के पिता पर किया फायर

-संवाददाता-

कोरबा, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत संगम नगर में एकतरफा प्रेम का खतरनाक मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने युवती के पिता पर गोली चला दी। गनीमत रही कि पिता इस हमले में बाल-बाल बच गए, घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है।

मिली जानकारी के अनुसार, संगम नगर (ग्राम दोंदरो) निवासी लखन साहू की नाबालिग बेटी से बालको नगर के इंदिरा नगर निवासी 22 वर्षीय साहिल मासी एकतरफा प्रेम करता था। परिजनों का आरोप है कि आरोपी लंबे समय से युवती का पीछा कर रहा था और उसे लगातार परेशान करता था, इस संबंध में युवती के पिता ने कई बार बालको थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। बताया जा रहा है कि इसी विवाद के चलते आरोपी युवक ने युवती के पिता पर गोली चला दी, हालांकि, समय रहते पिता बच गए और कोई बड़ी अनहोनी टल गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा जा रहा है। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। बालको थाना प्रभारी युवराज तिवारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला एकतरफा प्रेम से जुड़ा हुआ प्रतीत हो रहा है। आरोपी से पूछताछ जारी है तथा उसके पास से हथियार भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि आरोपी के पास मिला हथियार वैध था या अवैध, फिलहाल, पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।



एसईसीएल इंटर कंपनी फर्स्ट एड टूर्नामेंट में ओवरऑल चैंपियन बना बैकुंठपुर क्षेत्र

-संवाददाता-
कोरिया, 20 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

खनन क्षेत्र में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए एसईसीएल के गेवरा क्षेत्र में आयोजित दो दिवसीय इंटर कंपनी फर्स्ट एड प्रतियोगिता 2025-26 में बैकुंठपुर क्षेत्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम कर ली, इस उपलब्धि ने न केवल बैकुंठपुर क्षेत्र का मान बढ़ाया, बल्कि सुरक्षा संस्कृति को सशक्त करने का संदेश भी दिया।

आपदा प्रबंधन कौशल की कड़ी परीक्षा

खनन क्षेत्रों में दुर्घटना की आशंका को देखते हुए प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) में दक्षता अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है, इसी उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया।

सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक परीक्षा

प्राथमिक उपचार की तकनीकों समझ, हर चरण में प्रतिभागियों ने समयबद्धता, सटीकता और समन्वय का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

बैकुंठपुर 'ए' टीम का दबदबा

बैकुंठपुर क्षेत्र की टीम 'ए' ने सभी स्पर्धाओं में संतुलित और उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल विनर का



खिताब हासिल किया, कप्तान: निलेश अर्वाधिया सदस्य: मयंक पटेल, नितेश शाह, शंभू कहर और संदीप उरांव टीम के आत्मविश्वास और तकनीकी दक्षता ने निर्णायकों को प्रभावित किया।

स्टेचर ड्रिल में भी शानदार प्रदर्शन

बैकुंठपुर क्षेत्र की टीम 'बी' ने स्टेचर ड्रिल प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, कप्तान: कुमार अमित आनंद, सदस्य: प्रवीण खलको, वसीम फिरोज, सिमोन टोप्पो और चंद्रशेखर टीम ने घायल को सुरक्षित एवं संतुलित तरीके से ले जाने की प्रक्रिया में उत्कृष्ट तालमेल दिखाया।

महिला टीम बनी प्रेरणा

इस आयोजन की सबसे खास बात रही बैकुंठपुर क्षेत्र की महिला टीम की सक्रिय और प्रभावशाली भागीदारी, कप्तान: प्रिया खाखा सदस्य: अंजली कुमारी, किरण सिंह, कविता किस्पोझ और पूजा, महिला प्रतिभागियों ने न केवल प्रतिस्पर्धा में दमदार प्रदर्शन किया, बल्कि यह संदेश भी दिया कि खनन क्षेत्र की सुरक्षा जिम्मेदारी में

महिलाएं भी समान रूप से सक्षम और प्रतिबद्ध हैं। उनकी उपस्थिति और प्रदर्शन ने पूरे आयोजन को विशेष ऊर्जा प्रदान की।

अनुभवी मार्गदर्शन की भूमिका

इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे टीम मैनेजर डॉ. अनुराग सिंह और कोच योगेंद्र मिश्रा का महत्वपूर्ण योगदान रहा, योगेंद्र मिश्रा पिछले 10 वर्षों से बैकुंठपुर क्षेत्र की रेस्क्यू एवं फर्स्ट एड टीम को प्रशिक्षित कर रहे हैं, उनके नेतृत्व में टीम ने अनेक प्रतियोगिताओं में पुरस्कार अर्जित किए हैं। नियमित अभ्यास, मार्क ड्रिल और तकनीकी प्रशिक्षण का ही परिणाम है कि टीम ने इस बार ओवरऑल चैंपियनशिप हासिल की।

मुख्य अतिथि और आयोजन की गरिमा

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसईसीएल मुख्यालय बिलासपुर से निदेशक (मानव संसाधन) बिरेंची दास रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय महाप्रबंधक अरुण कुमार त्यागी ने की, प्रतियोगिता के समापन पर बैकुंठपुर

क्षेत्र के मुख्य महाप्रबंधक बी.एन. झा ने विजेता टीमों को सम्मानित किया और महिला प्रतिभागियों को विशेष रूप से पुरस्कार प्रदान किए, इस अवसर पर एरिया सेफ्टी ऑफिसर वी.एस. परिहार, सीएमओ डॉ. एस. मिंज, कार्मिक प्रबंधक गौरव दुबे सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

यह केवल प्रतियोगिता नहीं, जीवन रक्षा का संकल्प

मुख्य महाप्रबंधक बी.एन. झा ने कहा...फर्स्ट एड प्रतियोगिता केवल ट्रांफ़ी जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है, बैकुंठपुर की टीमों ने अनुशासन, समर्पण और दक्षता का परिचय देते हुए पूरे क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है, विशेष रूप से महिला टीम की सक्रिय भागीदारी प्रेरणादायक है।

सुरक्षा संस्कृति को मिला नया आयाम

खनन उद्योग में सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होती है, इस प्रतियोगिता ने यह साबित किया कि प्रशिक्षित और सज्ज टीम किसी भी आपदा में त्वरित कार्रवाई कर अमूल्य जीवन बचा सकती है, बैकुंठपुर क्षेत्र की यह जीत केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति समर्पण, टीमवर्क और निरंतर प्रशिक्षण की सफलता का प्रतीक है, इस शानदार उपलब्धि से बैकुंठपुर क्षेत्र में उत्साह और गर्व का वातावरण है, और आने वाले समय में भी इसी ऊर्जा के साथ सुरक्षा मानकों को और सुदृढ़ करने का संकल्प लिया गया है।

CMYK

विश्वास निर्माण गौरव विष्णु का सुशासन

समावेशी विकास और जनकल्याण का आधार



श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री



महिला सशक्तीकरण

महतारी वंदन योजना
68.39 लाख
महिलाओं को 24 किस्तों में कुल
₹15,588.36 करोड़ अंतरित

प्रधानमंत्री उज्जवला योजना
37 लाख
से अधिक महिलाएं लाभान्वित

महतारी सदन
368 महतारी सदनों के निर्माण हेतु
₹108.78 करोड़ स्वीकृत



युवा सशक्तीकरण

आयु सीमा
सरकारी नौकरियों में अधिकतम आयु सीमा में 5 वर्ष की छूट

पदों पर भर्ती
लगभग 32,000 रिक्त शासकीय पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी

उद्यम क्रांति योजना
स्वरोजगार के लिए 50% सब्सिडी पर ब्याज मुक्त ऋण



किसान कल्याण

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
26 लाख किसान लाभान्वित

धान
₹3100/क्विंटल और 21 क्विंटल/एकड़ की दर से धान खरीदी

बैंक राशि
दो वर्षों में किसानों के खातों में ₹1.50 लाख करोड़ से अधिक की राशि अंतरित



औद्योगिक विकास

नई औद्योगिक नीति लागू
₹7.83 लाख करोड़ से अधिक का मिला निवेश प्रस्ताव

औद्योगिक हब नया रायपुर
बन रहा औद्योगिक हब

चिप यूनिट
₹1100 करोड़ की लागत से चिप यूनिट स्थापित



26 लाख

से अधिक आवास स्वीकृत



400 से अधिक प्रशासनिक सुधार से निवेश की राह आसान



पारदर्शिता लाने सुशासन एवं अभिसरण विभाग का गठन



₹51,080 करोड़ से रेल परियोजनाओं का हो रहा क्रियान्वयन



₹40 हजार करोड़ से अधिक लागत से राष्ट्रीय राजमार्गों का हो रहा विकास



सरल, सहज और उदार व्यक्तित्व वाले माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी को हार्दिक शुभकामनाएं